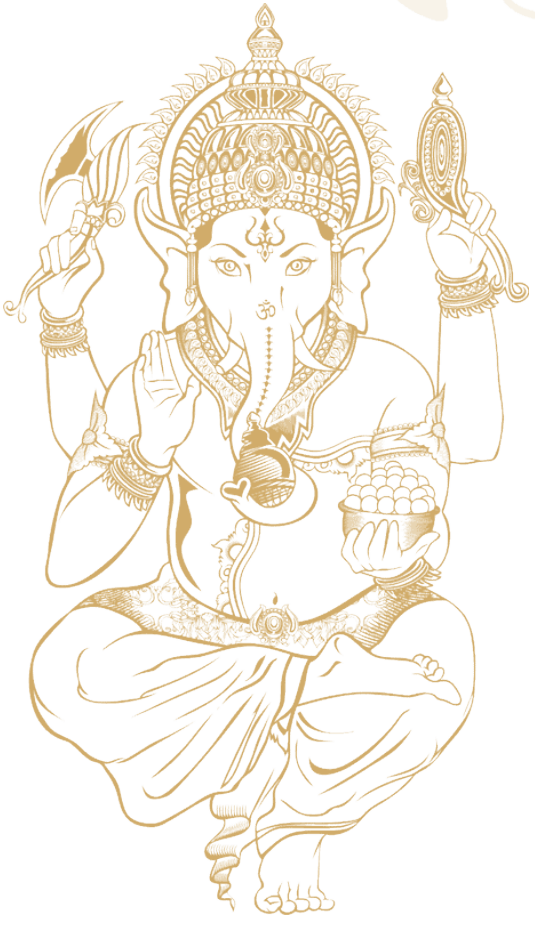

Vaibhav Jain

05 Jul 2013

02:30 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121195503

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/07/2013**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**14:30:00 घंटे**
इष्ट	22:33:46 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:08:52 घंटे
वेलान्तर	-00:04:35 घंटे
साम्पातिक काल	09:02:57 घंटे
सूर्योदय	05:28:29 घंटे
सूर्यास्त	19:22:42 घंटे
दिनमान	13:54:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	19:27:27 मिथुन
लग्न के अंश	15:48:57 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	गण्ड
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वी-वीरसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	15:48:57	309:06:04	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मिथु	19:27:27	00:57:13	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	सम राशि
चंद्र			वृष	17:37:32	11:49:30	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			मिथु	00:22:45	00:41:04	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
बुध	व	अ	मिथु	26:21:02	00:33:32	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	स्वराशि
गुरु			मिथु	08:04:20	00:13:36	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	15:14:41	01:12:40	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		तुला	10:46:32	00:00:17	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	उच्च राशि
राहु	व		तुला	21:22:25	00:04:21	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	21:22:25	00:04:21	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			मीन	18:24:39	00:00:36	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	---
नेप	व		कुंभ	11:07:09	00:00:51	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
प्लूटो	व		धनु	16:09:26	00:01:31	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
दशम भाव			कर्क	19:13:36	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:02:57

लग्न-चलित

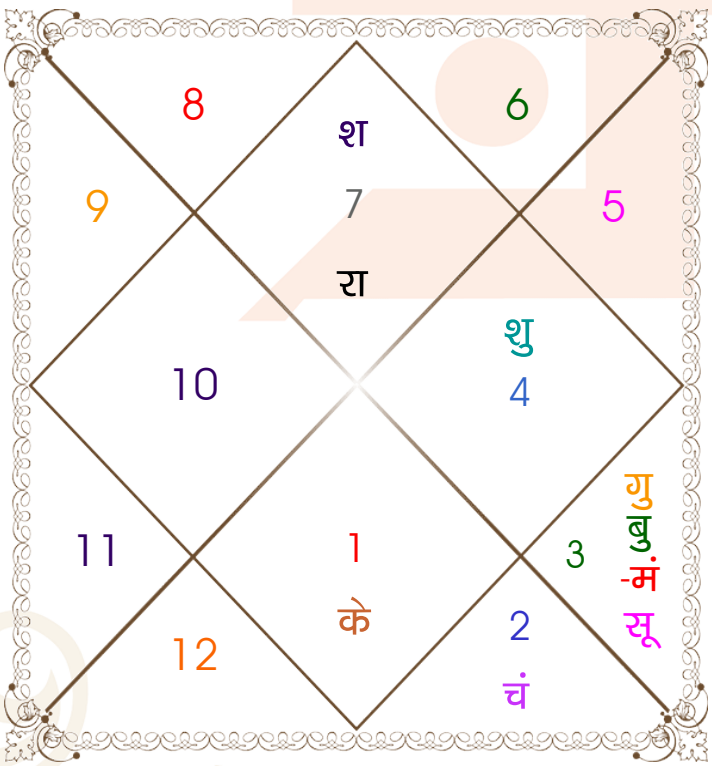

चन्द्र कुंडली

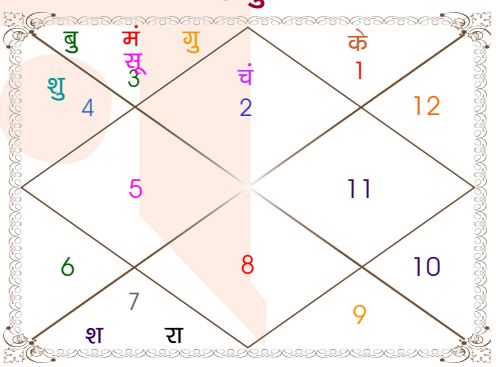

नवमांश कुंडली

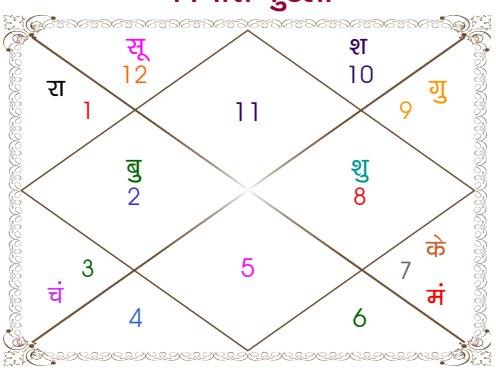

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 3 मास 11 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/07/2013		16/10/2017		15/10/2024		16/10/2042		16/10/2058	
16/10/2017		15/10/2024		16/10/2042		16/10/2058		16/10/2077	
	00/00/0000	मंगल	14/03/2018	राहु	29/06/2027	गुरु	03/12/2044	शनि	19/10/2061
	00/00/0000	राहु	01/04/2019	गुरु	21/11/2029	शनि	16/06/2047	बुध	28/06/2064
	00/00/0000	गुरु	07/03/2020	शनि	27/09/2032	बुध	21/09/2049	केतु	07/08/2065
	05/07/2013	शनि	16/04/2021	बुध	17/04/2035	केतु	28/08/2050	शुक्र	06/10/2068
शनि	16/08/2013	बुध	13/04/2022	केतु	04/05/2036	शुक्र	28/04/2053	सूर्य	18/09/2069
बुध	15/01/2015	केतु	09/09/2022	शुक्र	05/05/2039	सूर्य	14/02/2054	चंद्र	20/04/2071
केतु	16/08/2015	शुक्र	10/11/2023	सूर्य	29/03/2040	चंद्र	16/06/2055	मंगल	28/05/2072
शुक्र	16/04/2017	सूर्य	16/03/2024	चंद्र	27/09/2041	मंगल	22/05/2056	राहु	04/04/2075
सूर्य	16/10/2017	चंद्र	15/10/2024	मंगल	16/10/2042	राहु	16/10/2058	गुरु	16/10/2077

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
16/10/2077		16/10/2094		17/10/2101		17/10/2121		17/10/2127	
16/10/2094		17/10/2101		17/10/2121		17/10/2127		00/00/0000	
बुध	13/03/2080	केतु	14/03/2095	शुक्र	15/02/2105	सूर्य	03/02/2122	चंद्र	17/08/2128
केतु	11/03/2081	शुक्र	13/05/2096	सूर्य	15/02/2106	चंद्र	05/08/2122	मंगल	18/03/2129
शुक्र	09/01/2084	सूर्य	18/09/2096	चंद्र	17/10/2107	मंगल	11/12/2122	राहु	16/09/2130
सूर्य	15/11/2084	चंद्र	19/04/2097	मंगल	16/12/2108	राहु	04/11/2123	गुरु	16/01/2132
चंद्र	16/04/2086	मंगल	15/09/2097	राहु	17/12/2111	गुरु	23/08/2124	शनि	06/07/2133
मंगल	13/04/2087	राहु	04/10/2098	गुरु	17/08/2114	शनि	05/08/2125		00/00/0000
राहु	31/10/2089	गुरु	10/09/2099	शनि	17/10/2117	बुध	11/06/2126		00/00/0000
गुरु	06/02/2092	शनि	19/10/2100	बुध	17/08/2120	केतु	17/10/2126		00/00/0000
शनि	16/10/2094	बुध	17/10/2101	केतु	17/10/2121	शुक्र	17/10/2127		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 3 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।